समीक्षा अधिकारी/सहा. समीक्षा अधिकारी

महत्वपूर्ण विलोम-शब्द

पृष्ठ:01

27-09-2016

विराट	क्षुद्र	राजा	रंक	अनायास	सायास
गौरव	लाघव	द्युति	अंधकार	तन्वी	स्थूल
जारज	औरस	मौन	मुखर	आदर्श	यथार्थ
मृषण	रूक्ष	गरिमा	लघिमा	सम्मुख	विमुख
संश्लेषण	विश्लेषण	अनाथ	सनाथ	लक्षण	विलक्षण
आंत	न्यून	शोक	परचून	तीक्ष्ण	कुण्ठित
तमस	सात्विक	हेय	ग्राह्य	त्रिकुटि	भृकुटि
ऐश्वर्य	अनैश्वर्य	सृष्टि	प्रलय	पत्यय	उपसर्ग
अगम	सुगम				
मधुर	कटु, तिक्त				
विपत्ति	सम्पत्ति				
परुष	कोमल	दक्षिण	वाम	निषिद्ध	विहित
निर्भीक	भयभीत	निर्लज्ज	सलज्ज	अतिथि	अतिथेय
तलवार	ढाल	चांचल्य	स्थैर्य	विपुल	स्वल्प
स्वर	व्यञ्जन	मृदुल	रूक्ष	अवशेष	निःशेष
प्रवृत्ति	निवृत्ति	कलुष	निष्कलुष	अदोष	सदोष
अभिमानी	निरभिमानी	प्रफुल्ल	म्लान	सहित	रहित
उदार	अनुदार	निरत	विरत	सह्य	असह्य
बहुमत	अल्पमत	ताण्डव	लास्य	साधार	निराधार
संस्कृति	असंस्कृति				
भूषण	कुभूषण				
हानिप्रद	लाभप्रद				
लजीला	बेशर्म	सशक्त	अशक्त	सित	असित
विकास	अविकास	अक्खड़	भद्र	सेवित	असेवित
निर्बाध	अबाध	गम्भीर	मुखर	स्याह	सफेद
श्रव्य	वाच्य	सुधासिक्त	विषाक्त	स्वामी	भृत्य
एषणा	निष्काम	खेचर	भूचर	हत	अहत
कल्पनातीत	काल्पनिक	ब्रह्म	जीव	हर्ष	विषाद
आभ्यंतर	बाह्य	सुधा	हलाहल	स्फुट	अस्फुट
उत्पत्यका	अधित्यका				
दिवस	विभावरी				

महत्वपूर्ण विलोम-शब्द

- उदार - कृपण
- लोभ - त्याग, मोह
- ग्रहण - अर्पण
- वादी - प्रतिवादी
- करुण - निष्ठुर
- स्पृश्य - अस्पृश्य
- सदाचार - दुराचार
- सन्मार्ग - कुमार्ग
- जागृत - सुप्त
- ऊँच - नीच
- आश्रित - अनाश्रित
- कृतज्ञ - कृतघ्न
- सुफल - कुफल
- सफल - असफल
- उपसर्ग - [illegible]
- मोक्ष - बंधन
- हास्य - रुदन
- गोचर - अगोचर
- चिरन्तन - नश्वर
- प्राचीन - अर्वाचीन
- खण्डन - मण्डन
- अर्जन - व्ययन
- प्रच्छन्न - प्रतिपन्न
- प्रभावी - निष्प्रभावी
- पाश्चात्य - पौर्वात्य/पौरस्त्य
- अनुग्रह - विग्रह
- अनंत - सांत, अंत,
- आविर्भाव - तिरोभाव
- तरुण - वृद्ध
- पुरस्कार - दण्ड/तिरस्कार
- अभिज्ञ - अनभिज्ञ, अज्ञ
- ग्राह्य - त्याज्य
- नैसर्गिक - कृत्रिम
- पुष्ट - क्षीण
- श्रान्त - निश्रान्त
- संकल्प - विकल्प
- आत्मा - अनात्मा
- उद्घाटन - समापन
- उद्धत - अनुद्धत
- प्रसारण - अप्रसारण
- निषिद्ध - सिद्ध
- मुक्त - मुक्त
- उन्मूलन - रोपण
- समास - व्यास
- सुशील - दुश्शील
- निरामिष - सामिष
- प्रवृत्ति - निवृत्ति
- अक्षर - क्षर
- कुसुम - वज्र
- अभिमानी - निरअभिमानी
- मानवता - निरांसता
- रथी - विरथी
- अर्पित - अनार्पित
- उन्मुख - विमुख
- तृष्णा - वितृष्णा
- धृष्ट - विनम्र, विनीत
- भूगोल - खगोल
- विधि - निषेध
- उपादेय - अनुपादेय
- स्थावर - जंगम
- विज्ञ - अज्ञ
- महात्मा - दुरात्मा
- सूक्ष्म - स्थूल
- अल्पज्ञ - बहुज्ञ
- कृश - पुष्ट/स्थूल
- अपराकुन - शकुन
- साहचर्य - अलगाव
- तटस्थ - आसक्त
- निर्दय - सदय
- अथ - इति
- विधवा - सधवा
- आवर्तक - विवर्तक, अनावर्तक
- निन्द्य - वन्द्य
- शोषक - पोषक
- अवर - प्रवर
- अकाल - सुकाल
- कल्पित - यथार्थ
- द्वन्द्व - निर्द्वन्द्व
- संघटन - विघटन
- क्षणिक - शाश्वत
- तेजस्वी - निस्तेज
- संकीर्ण - विस्तीर्ण
- विस्तृत - सीमित
- कनिष्ठ - वरिष्ठ, ज्येष्ठ
- आकर्षण - विकर्षण
- अनुनासिक - निरअनुनासिक
- मग्न - दुःखी, ऊपर
- निर्मल - मलीन
- कृपा - कोप
- अधम - उत्तम
- नश्वर - अनश्वर, शाश्वत
- विशिष्ट - सामान्य
- सजल - निर्जल
- सापेक्ष - निरपेक्ष
- आकृष्ट - निकृष्ट
- अनुग्रह - दण्ड, कोप
- आकलन - विकलन
- ईप्सित - अनीप्सित
- उन्मीलन - निमीलन
- अनुलोम - विलोम, प्रतिलोम
- परिश्रम - विश्राम
- उक्त - अनुक्त

STAR EDUCATION

महत्वपूर्ण विलोम-शब्द

- अकंटक - कंटकित
- अच्युत - च्युत
- अज्ञ - विज्ञ, प्रज्ञ
- अनाजी - फलाहारी
- असूया - अनसूया
- आकीर्ण - विकीर्ण
- आक्रमण - प्रतिरक्षा
- आगत - अनागत
- आत्मनिर्भर - अनुजीवी, परजीवी
- आपसदारी - दुजापसी
- आर्य - अनार्य
- इष्ट - अनिष्ट
- उच्छिष्ट - अनुच्छिष्ट
- उत्तेजन - प्रशमन
- उदग्र - अनुदग्र
- उदासीन - आसक्त
- उद्भूत - अनुद्भूत
- उद्यमी - आलसी, निरुद्यम
- उद्विग्न - अनुद्विग्न, निरुद्विग्न
- उपस्थित - अनुपस्थित
- उल्लास - विषाद
- ऋत - अनृत
- एकाग्रचित्त - अन्यमनस्क, दुश्चित्त
- ऐक्य - अनैक्य
- गेय - अगेय
- घटित - अघटित
- चोर - साह
- छेद्य - अछेद्य
- जालिम - रहमदिल
- जुड़ा - बिहुआ, अलहदा
- ठोस - पोला, खोखला, तरल
- तद्भव - अतद्भव
- तर - शुष्क
- ताप - शीत
- तालीमयाफ्ता - जाहिल
- दब्बू - दबंग
- दर्शनीय - अदर्शनीय
- दलित - अदलित
- दाह्य - अदाह्य
- दीर्घकाय - कृशकाय
- दुरुस्त - गलत
- दुष्कर - सुकर
- देश - विदेश
- नराधम - नरपुंगव
- नसीबवर - बदनसीब
- निंद्य - श्लाघ्य
- निपुण - अनिपुण
- निमंत्रित - अनिमंत्रित
- नियंत्रित - अनियंत्रित
- निरुद्ध - अनिरुद्ध
- नेकी - बदी
- पक्व - अपक्व
- परिच्छिन्न - अपरिच्छिन्न
- परीक्षित - अपरीक्षित
- परुष - अपरुष, कोमल
- पाक - नापाक
- पूर्व - अपर, पश्चिम, पश्च
- पौरुषेय - अपौरुषेय
- प्रकृतिस्थ - अप्रकृतिस्थ
- प्रगल्भ - अप्रगल्भ
- प्रतिम - अप्रतिम
- प्रशंसा - निंदा, गर्हणा
- प्रसन्न - अप्रसन्न
- प्रसार - संकोच
- प्राप्य - अप्राप्य, दुष्प्राप्य
- प्रोत्साहित - हतोत्साहित
- प्रौढ़ता - अप्रौढ़ता
- बड़बड़िया - गुमसुम
- बद्ध - अबद्ध, मुक्त
- बहुधा - यदाकदा
- भग्न - अभग्न, साबुत
- भव्य - साधारण, फूहड़
- भूतपूर्व - अभूतपूर्व
- भोग्य - अभोग्य
- मजेदार - बेमजा
- मत्त - अमत्त
- मुख - पृष्ठ
- यथेष्ट - कम
- याचक - अयाचक
- यौवन - वार्धक्य
- रुद्ध - बहाल
- राजतंत्र - जनतंत्र
- लेखनकला - कला
- लिप्त - अलिप्त, निर्लिप्त
- व्यक्त - अव्यक्त
- वर्ण्य - अवर्ण्य
- वाजिब - गैरवाजिब, नावाजिब
- विकल - अविकल
- विकारी - अविकारी
- विज्ञ - अविज्ञ
- विबुध - अविबुध
- विशुद्ध - अविशुद्ध
- विहित - अविहित
- शासक - शासित
- शीर्ष - तल
- शृंखलित - विशृंखलित
- शोहरत - बदनामी
- श्यामा - गौरी
- श्रांत - अश्रांत
- श्लिष्ट - अश्लिष्ट
- संपृक्त - असंपृक्त
- संयमी - असंयमी, व्यभिचारी
- संवृत्त - असंवृत्त
- संस्कृत - असंस्कृत
- संहत - असंहत
- सभ्य - असभ्य, उजड्ड, बर्बर
- समीचीन - असमीचीन
- सशुल्क - निर्मूल
- सवर्ण - असवर्ण
- सशंक - निश्शंक
- सहयोगी - प्रतियोगी

समीक्षा अधिकारी/सहा. समीक्षा अधिकारी

महत्वपूर्ण तद्भव-तत्सम शब्द

4.

03-10-2016

कपड़ा	कर्पट	आँख	अक्षि	भैंस	महिषी
अंधेरा	अंधकार	गेहूँ	गोधूम	तीता	तिक्त
गधा	गर्दभ	खँण्डहर	खण्डगृह	सौत	सपत्नी
पीठ	पृष्ठ	देवर	द्विवर	गँवार	ग्रामीण
लाज	लज्जा	मक्खन	मृक्षण	आम	आम्र
पंछी	पक्षी	पीपल	पिप्पल	कोख	कुक्षि
हल्दी	हरिद्रा	तेल	तैल	भतीज	भ्रातृव्य
कबूतर	कपोत	तुरंत	त्वरित	महुआ	मधूक
रीस	ईर्ष्या	खप्पर	खर्पर	लंगोट	लिंगपट्ट
ढीठ	धृष्ट	खीर	क्षीर	सियार	शृगाल
अटारी	अट्टालिका	दूध	दुग्ध	नाक	नक्र
नारियल	नारिकेल	दही	दधि	खाट	खट्वा
सींग	शृंग	बैन	वचन	खुजली	खर्जूर
दीठि	दृष्टि	पुराना	पुरातन	साला	स्याल
सिंगार	शृंगार	गहरा	गम्भीर	सूई	सूची
मनई	मानव	मोती	मौक्तिक	ईख	इक्षु
तीखा	तिक्त	घोड़ा	घोटक	अगोछा	अंगप्रोंछा
आधा	अर्द्ध	घड़ा	घट	फुर्ती	स्फूर्ति
बाघ	व्याघ्र	पलंग	पर्यंक	कुत्ता	कुक्कर
माँ	मातृ	अरवरोट	अक्षोट	भौजाई	भ्रातृजाया
अगीठी	अग्निष्ठिका	टकसाल	टंकशाला	उबटन	उद्वर्तन

समीक्षा अधिकारी/सहा. समीक्षा अधिकारी

महत्वपूर्ण तद्भव-तत्सम शब्द

5.

पसीना	प्रस्विन्न	उठ	उत्तिष्ठ	कोदो	कोद्रव
ओझा	उपाध्याय	उड़	उड्ड	कहार	स्कन्धभार
भभूत	विभूति	उबालना	उद्वालन	कंगन	कंकण
भौ	भ्रू	ऊसर	ऊषर	कंघी	कंकती
बांसुरी	बंसी	ऊन	ऊर्णा	कँवल	कमल
सरसों	सर्षप	ऊखल	उद्खल	कई	कति
गांठ	ग्रंन्थि	एकलौता	एकलपुत्र	कचहरी	कृत्यगृह
बांसुरी	बंसी	एका	ऐक्य	कटहल	कंटफल
पतोह	पुत्रवधू	ओस	अवश्याय	कड़ाह	कटाह
ओखली	उलूखल	ओला	उपल	कहानी	कथानिका
गिद्ध	गृध्रं	औंधा	अवमूर्ध	काँच	काच
जुगति	युक्ति	और	अपरं	का	कृत
पाहुना	प्राघूर्ण	के	कृते कार्ये	काढ़ा	क्वाथ
अफ़ीम	आर्द्रक	कड़ुआ	कच्छप	किसम	कृषाण
सांवां	श्यामक	कोढ़	कुष्ठ	कुँवारा	कुमारकः
अंस	अंश	कुदारी	कुद्दाल	कुम्हड़ा	कूष्माण्ड
ईंट	इसिका	कच्चा	कुपच	कूची	कूर्चिका
उलाहना	उपालम्भ	कौड़ी	कपर्दिका	कूदना	कूर्दन
उगना	उद्गत	कसेरा	कांस्यकार	कूड़ा	कूट
उस	अमुष्य	केस	केश	कैथा	कपित्थ
अपजना	उत्पद्यते	कड़ुवा	कटु, कटुक	कोई	कोऽपि

समीक्षा अधिकारी/सहा. समीक्षा अधिकारी
महत्वपूर्ण तद्भव तत्सम शब्द

6.

कोठा	कोष्ठक	गाभिन	गर्भिणी	जनेऊ	यज्ञोपवीत
कोठी	कोष्ठिका	गेंद	कंदुक	जम्हाई	जृम्भिका
कोठारी	कोष्ठागारिका	गौना	गमन	झरोखा	जालक
कोस	क्रोश	घाम	गर्मी, धर्म	झूठा	जुष्ट
कोहनी	कफोणी	घुँघची	गुञ्जा	झनकार	झणत्कार
कौर	कवल	घूँघट	गुंठन	टूटना	त्रट्यते
क्यारी	केदारिका	चाम	चर्म	टिटहरी	टिट्टिभी
क्यों	किंपुनः	चकवा	चक्रवाक	ड्योढ़ा	द्व्यर्द्ध
खान	खनि	चबाना	चर्वण	ताकना	तर्कन
खेती	क्षेत्रित	चना	चणक	त्योहार	तिथिवार
खेल	खेला	चोर	चौर	तोंद	तुंद
खदिर	खदिर	चितेरा	चित्रकार	तीतर	तित्तिरि
खोदना	क्षोदन	चोरी	चौरिका	तेरा	तवकोर
खुर	क्षुर	चोंच	चञ्चु	दाद	दद्रु
खत्री	क्षत्रिय	चुनना	चिनोति	दूब	दूर्वा
खाँसी	कास	चौथाई	चतुर्थभागिक	दाढ़ी	दंष्ट्रिका
खाई	खाति	चौंरी	चमरी	दाख	द्राक्षा
गोबर	गोमय	छकड़ा	शकट	दोहरा	दिग्धा सूत
गाजर	गृञ्जन	छक्का	षट्क	दुपट्टा	द्विपट
गलना	गलन	छाजन	छाद्य	दृग	दृक्
गागर	गर्गर	छिलका	शकल	दूल्हा	दुर्लभ

समीक्षा अधिकारी/सहा. समीक्षा अधिकारी

महत्वपूर्ण तद्भव तत्सम शब्द

7.

दुपहरी	द्विप्रहरी	धनिया	ध्यनिका	नीम	निम्ब
नंदोई	ननांदृपति	पीढ़ी	पीठिका	भांजा	भागिनेय
नहना	तरवहरण	फूल	फुल्ल	भांड	भंड
निहाई	निधाति	फोड़ा	स्फोट	भाभी	भातृभार्या
नींबू	निम्बक	फटकारी	स्फटिक	भीतर	अभ्यन्तर
नोचना	लुंचन	फरुआ	परशु	मसा	मशक
नाती	नप्तृ	बावली	नापी	माला	मानिक
पाँक	पंड्क	बाग	वल्गा	मच्छर	मत्सर
पड़ोसी	प्रतिवेसी	बड़	वट	मदारी	मंत्रकारी
पतला	प्रतनु	बड़ा	वृत्तक	मशहरी	मशाकहरी
पगहा	प्रग्रह	बरसना	वर्षण	महँगा	महार्घ
पनसारी	पण्यशालिक	बसेरा	वासगृह	माँगना	मार्गण
पुतली	पुत्तलिका	बाँका	वक्र	मिर्च	मरिच
पान	पर्ण	बाट	वर्त्म	मिठाई	मिष्टि
पानी	पानीय	बाड़ी	वाटिका	मुआ	मृत
परसों	परश्य	बिकना	विक्रयण	मुट्ठी	मुष्टि
पहचान	प्रत्यभिज्ञान	बुआ	पितृश्वसा	मूँड़	मुंड
पैर	प्रदिर	बूटी	वृत्तिक	मूँछ	श्मश्रु
पाहन	पाषाण	भूखा	बुभुक्षित	मौसी	मातृश्वसा
पिसन	पिषण	भेड़िया	वृक	मगर	मकर
पीठी	पिष्टिका	भट्ठी	भ्राष्ट्रिका	रसोई	रसवती
पीढ़ा	पीठ	भतीज	भातृव्य	रत्ती	रक्तिका

GENIUS

समीक्षा अधिकारी सहा. समीक्षा अधिकारी

महत्वपूर्ण तद्भव तत्सम शब्द

8.

रस्सी	रश्मि	सुथरा	सुस्थिर	आरसी	आदर्श
रहट	अरघट्ट	सुन	शृणु	नेवता	निमंत्रण
रुपा	रोप्या	सूँड	शुण्ड	रास	राशि
रीठा	अरिष्ट	सेम	शिम्बा	अहेर	आखेट
लौंग	लवंग	सोंठ	शुण्ठि	ताव	ताप
सताना	संतापन	सोंध	सुगन्ध	अनसन	अनशन
सनीचर	शनैश्चर	सोहन	शोभन	आँवां	आपाक
समझ	संबुद्धि	सौंप	समर्पय	ससुराल	श्वसुरालय
समेटना	समावर्तन	सौरी	प्रसूतिगृह	थामना	स्तम्भन
सलोना	सलावण्य	हथौड़ा	हस्त	बहनोई	भगिनीपति
सहिजन	शोभांजन	हरड़	हरीतकी	सत्तू	सक्तु
सहेली	सहहेलनी	हींग	हिंगु	साँवला	श्यामल
सांकल	शृंखला	हीरा	हीरक	मजीठ	मञ्जिष्ठ
साँचा	सच्चक	केवट	कैवर्त	भंडार	भांडागार
साझा	सांश	अनाड़ी	अनार्य	बेल	बिल्व
साड़ी	शाटी	अजवाइन	यवनिका	बोना	वपन
साही	शल्यकी	केहरि	केशरी	बौना	वामन
साहू	साधु	अपाहज	अपादहस्त	भरोसा	परवश्यता
सिकड़ी	शृंखला	बकरा	वर्कर	भाड़ा	भाटक
सीधा	सिंह	नैहर	ज्ञातिगृह	बावला	वातुल
सीला	शीतल	पराठा	पर्पटा	सुहाग	सौभाग्य
सुआ	शुक	सास	श्वश्रु	निभाना	निर्वहण

समीक्षा अधिकारी / सहा. समीक्षा अधिकारी

09.10.2016 **अति महत्वपूर्ण पर्यायवाची शब्द** भाग-1 (9.)

इन्द्र -शक्र, शतक्रतु, विडौजा, शचीपति, वासव, सहस्राक्ष, वृत्रहा, जिष्णु अमरपति, मघवा, पुरन्दर, कौशिक, मेघपति, पुरहुत, विबुधेष.

इन्द्राणी -इन्द्रा, शची, पुलोमजा, मघवानी, ऐंद्री, शतावरी

विष्णु -जनार्दन, चक्रपाणि, गदाधर, दामोदर

लक्ष्मी -रमा, पद्मा, इन्दिरा, श्री, सिंधुजा, क्षीरोद, भार्गवी

गरुड़ -पन्नगारि, उरगारि, हरियान, वातनेय, खगपति, सुपर्ण, नागान्तक, सर्पारि

शिव -शंभु, हर, गंगाधर, रुद्र, मदनारि, विश्वनाथ, चन्द्रशेखर,

पार्वती -शिवा, अम्बिका, अपर्णा, आर्या, मैनसुता, हैमवती, मीनाक्षी, शैलसुता

गणेश -शंकरसुवन द्विपातुज गणाधि हेरम्ब द्वैमातुर

हाथी -द्विप, करी, कुंजर, मातंग, द्विरद, नाग, कुम्भा, मदकल, सिन्धुर, वारण

कृष्ण -हृषीकेश, मुकुन्द, दामोदर, व्रजवल्लभ, कंसारि, मधुसूदन

राधा -वृषभानुजा, हरिप्रिया

यमुना -अकर्णा, रवितनया, कृष्णा, कालिन्दी, कालगंगा, तरणि-तनुजा, अर्कसुता

गंगा -जान्हवी, त्रिपथगा, सुरधुनी, विष्णुपदी, नदीश्वरी

दुर्गा -कल्याणी, भवानी, शिवा, महागौरी, कामाक्षी, सुभद्रा, दुर्गमच्छेदनी दुर्गम्या दुर्गभीमा दुर्गभा चण्डी कुमारी

भाग-1

10.

द्रौपदी -कृष्णा सैरंध्री याज्ञसेनी द्रुपदसुता
स्वर्ग -द्यौ, दिव, सुरपुर
कल्पवृक्ष- हरिचन्दन, मन्दार, पारिजात, कल्पशाल, कल्पद्रुम, सुरतरु
कुबेर -किन्नरपति किन्नरनरेश यक्षराज श्रीद राजराज अलंकेश यक्षपति धनाधिप
सरस्वती -भारती, गिरा, शारदा, वीणा, भाषा, इला, ब्राह्मी, श्री, निधात्री, महाश्वेता
देवता -अजर, विबुध, वसु, आदित्य, लेख, निर्जर, त्रिदश
प्रज्ञा -धी मनीषा
अमृत -सुरभोग, जीवनोदक
यम -अन्तक, सूर्यपुत्र, दंडधर, शमन, कीनास, कतान्त, जीवितेश, धर्मराज
आकाश -व्योम शून्य अभ्र पुष्कर नाक तारापथ फलक दिव खगोल
सूर्य -दिनकर, प्रभाकर, आदित्य, भास्कर, दिवाकर, मार्तण्ड
किरण -कर, मरीचि, मयूख, अंशु, रश्मि, कलाकेतु
दिन -अहन वासर याम प्रमान दिवा
सायं -दिनान्त, गोधूलि, प्रदोषकाल
रात -शर्वरी, राका, विभावरी, तमी, यामा, क्षपा, यामिनी
तम -ध्वान्त, अंधकार
पृथ्वी -उर्वी, मेदिनी, मही, धात्री, क्षोणी, क्षिति, वसुमति, बीजप्रसु, अवनी
पर्वत -नग, गिरि, अचल, शैल, आदि, मेरु, तुंग, धराधर

भाग-1

11.

हिमालय = हिमगिरि, हिमाचल, गिरिराज, पर्वतराज, नगेश, शैलेन्द्र
जल = अंबु, आब, उदक, सर्वसुख, अमृत, अंभ, आप, रस, जीवन
नदी = सरिता, सारंग, जयमाला, अपगा, कल्लोलिनी, बेड़ा, तरंगवती, लरमाला, निम्नगा
तालाब = सरसी, जलवान, ह्रद, कासार, छद, दह, पुष्कर, पोखर, पद्माकर
कमल = पदम, सारंग, कुवलय, इन्दीवर, राजीव, अरविन्द, पुण्डरीक, कोकनद, पायोज
सागर = पारावार, रत्नाकर, नदीश, जलधान, अर्णव, अब्धि, वारीश, पयोनिधि
बादल = सारंग, अभ्र, जीमूत, बलधर, परजन्य
मछली = जलजीवन, शफरी, मकर, झष
सोना = कंचन, कनक, हेम, कुंदन
बिजली = चंचला, सौदामिनी, दामिनी, तड़ित, घनप्रिया, इन्द्रवज्र, घनदाम, घनवल्ली
वर्षा = पावस, मेह, वृष्टि, शारवी
ईख = ऊख, रसदण्ड, रसाल, पैंडी, रसद
आम = सहकार, रसाल, पियम्बु, पिकबन्धु, अमृतफल, अंब, फलश्रेष्ठ, मधुरासव
वृक्ष = द्रुम, रूख, गाछ
पत्ता = पत्र, पान, पल्लव, पर्ण, दल, द्रुमदल, किसलय
पुष्प = मंजरी, लतान्त, पुहुप
भँवरा = अलि, षट्पद, भृंग, मिलिंद, मधुभक्षा
बन्दर = हरि, मर्कट, शारवामृग, कीश

साँप - व्याल, उरग, अहि, पन्नग, फणी
सिंह - शार्दूल, मृगराज, महावीर, केशरी, केहरि, नाहर, सारंग, चित्रक, पुण्डरीक, केशी
हिरण - कुरंग, सारंग, कस्तूरी, चमरी, कृष्णसार
मोर - कलापी, नीलकंठ, नर्तकप्रिय, केक
घोड़ा - वाजि, रविपुत्र, सैंधव
जंगल - कान्तार, अरण्य, गहन
राजा - राव, नरेन्द्र, भूपति
धनुष - चाप, कमान, कोदण्ड, सरासन, पिनाक, सारंग, धनुही
तीर - शर, बाण, विशिख, शिलीमुख, अनी, सायक, नाराच, विहंग
तलवार - असि, करवाल, चन्द्रहास, शायक, कृपाण, खंग
झण्डा - निशान, केतन, वैजयंती, केतु
आँख - अक्षि, अम्बक, चख, दीदा, ईक्षण, विलोचन, चक्षु, प्रेक्षण
पति - कांत, ईश, भरतार, वल्लभ, प्राणेश
पत्नी - वनिता, जोरू, दारा, वामांगिनी
स्त्री - ललना, रमणी, कामिनी, तिय, कान्ता, दारा, वामा, अबला
तरुणी - युवती, श्यामा, तन्वांगना
इच्छा - उत्कंठा, वाञ्छा, रुचि, स्पृहा, लिप्सा
वसन्त - मधु, पिकानन्द, कुसुमाकर, मदनमीत, ऋतुराज